[Shri Yashwant Sinha]

matter which concerns that part of the country. We don't know what is really happening. The Parliament is in session and certainly the Government should tell us what is happening.

SHRI CHATURANAN MISHRA (Bihar) : No political party has so far been consulted by the Government.

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI RAJESH PILOT) : Madam, let me explain the total picture. It is a fact that we had a meeting with the hon. Chief Minister and the Jharkhand leaders of the Sangharsh Samiti, from the different sections of the Committee. We had a long discussion from 3 O'clock in the afternoon till early morning 7.40 and a lot of agreement and a lot of clauses were reached. There were some differences of opinion on the subject allocation to the council. We mutually agreed that the council was the solution. The Chief Minister had agreed to it and the Jharkhand leaders had agreed to it.

Autonomy in terms of administration and financial function was also discussed. We reached agreement on various points. The Chief Minister said that he would like to go back and discuss with the political parties in his state and come back to us. Accordingly we have faxed all the agreements and minutes of the discussion to the hon. Chief Minister. We have received a fax from him. He has shown some of his observations and opinions on subjects which we are considering. We will certainly come back to the Parliament. Our discussion is still continuing. Yesterday also I had a discussion with the Jharkhand leaders. I am still in touch with them. We will certainly bring the total discussion to the notice of the House.

SHRI YASHWANT SINHA : I have one point to make. There was a time when the Home Minister had called various political parties and had a discussion. Now, when you are reaching a certain stage, why are you not calling all the political parties? On what basis are you deciding that these are the Jharkhand leaders and you must have discussion only with them ? What is the basis ? There are political parties which are recognised. You talk to the political parties. You are just deciding that these are the Jharkhand leaders and you are talking only with them. This is the concept of your tripartite negotiations. I am sorry to say that there are various political parties which have a direct interest and stake in the matter. They must also be consulted.

SHRI JAGDISH PRASAD MATHUR (Uttar Pradesh) : Even the BJP has not been consulted.

RE. ACTION AGAINST POLICE OFFICIALS AND OTHERS IN A KIDNAP AND RAPE CASE

श्रीमती सरला माहेश्वरी (पश्चिमी बंगाल) : उपसभापति महोदया, मैं आपका, इस सदन का और माननीय गृह मंत्री जी का ध्यान 4 मई को जनसत्ता में छपी एक खबर की ओर दिलाना चाहती हूं । यह खबर एक 13 वर्ष की बच्ची के अपहरण और उसके साथ हुए यौन अपराध की घटना है । मैं खासकर माननीय गृह मंत्री जी का ध्यान इस घटना की ओर आकर्षित करना चाहूंगी । घटना इस प्रकार है कि दिल्ली की रेलवे कालोनी झुग्गी बस्ती मिंटो रोड की एक 13 वर्षीय बालिका को उसी की पड़ौसन भगवान देई उसके घर से उठाकर ले जाती है इस बहाने कि वह उसकी मां के साथ उसको मिलाने ले जा रही है । महोदया, मैं चाहूंगी कि आप इस ओर ध्यान दें । मैं अर्ज कर रही थी कि किस तरह उसकी पड़ौसन उस बालिका को ले जाती है और ले जाकर उसे दो लड़कों के

हवाले कर देती है । ये लड़के और भगवान देई उस बालिका को लेकर मंगोलपुरी गांव में चले जाते हैं । मंगोलपुरी गांव में एक कमरे में इस बालिका को 3 दिन तक बन्द करके उसके साथ लगातार यौन अपराध किया जाता है इस घटना और अपहरण की खबर उसके जब मां-बाप कमला मार्केट थाने में करते हैं तो उस थाने के एस०आई० को इसकी जांच का जिम्मा सौंपा जाता है । महोदया, शर्म की बात यह है कि पुलिस की निर्लज्ज भूमिका का शर्मनाक उदाहरण यह है कि किस तरह वह एस०आई० धर्मवीर, जिसको कि यह काम सौंपा गया था, उस एस०आई० ने उस 13 साल की बच्ची को मारा, पीटा और उसको धमकाया कि खबरदार अगर तुमने इस यौन अपराध की घटना की खबर बताई और जो इसके अभियुक्त हैं, वह भगवान देई और दो लड़के पवन और तारकेसर, इन अपराधियों का नाम अगर तुमने पुलिस थाने में बताया या किसी को भी इस घटना की खबर बताई तो हम तुम्हारे मां-बाप को जेल में बंद कर देंगे और तुम को करंट लगायेंगे । इतना ही नहीं, एक महिला कांस्टेबल ने भी उस बालिका की पेट में लातें मारी, जोकि सिर्फ 13 साल की बच्ची है ।

उपसभापति महोदया, मैं माननीय गृह मंत्री महोदय से यह जानना चाहती हूं कि आखिर यही तो वह कारण है अपराधी पुलिस कर्मियों तक को पकड़ा नहीं जाता और इस कारण हमारा गृह मंत्रालय हमको रिपोर्ट देता है कि हर 54 मिनट में एक बलात्कार की घटना घटती है । मैं गृह मंत्री जी से कहना चाहूंगी कि पुलिस अभियुक्त जिसका कि इसमें नाम आ गया है, आप उसकी जांच करेंगे । और हम को बतायेंगे । आखिर इस तरह के अभियुक्तों को किस तरह आप खुला छोड़ देंगे ! क्या महिलाएं और बच्चियां अपने घरों में भी पूरी तरह सुरक्षित नहीं रह पायेंगी ?

माननीय उपसभापति महोदया, मैं माननीय गृह मंत्री महोदय से यह चाहूंगी कि वह इस घटना पर अपनी प्रतिक्रिया दें और साथ ही, वह इस सदन को भी आश्वासन दें कि आखिर में वह इस पर कुछ करेंगे या नहीं ।

THE MINISTER OF HOME AFFAIRS (SHRI S.B. CHAVAN) : I would like to inform the House that I will make an inquiry into the matter and come back to the House.

RE. OBSERVANCE OF PROPER SAFETY MEASURES AT COAL MINES

श्री शिव प्रसाद चनपुरिया (मध्य प्रदेश) : उपसभापति महोदया, दक्षिण पूर्व कोयला प्रक्षेत्र की विरसिंहपुर पाली की जुहिला कोयला खदान में कार्यरत हजारों श्रमिकों के जीवन के साथ कोल इंडिया की इस कंपनी के व्यवस्थापक जब तब खिलवाड़ करते हैं । यदि श्रमिक सावधान न रहें तो व्यवस्थापक ऐसी प्रक्रिया नियमों के विपरीत अपनाते है कि निश्चित रूप से श्रमिकों को मृत्यु होने में कोई संदेह न रहे । ऐसी ही घटना विगत दिनों घटित हुई ।

व्यवस्थापकों ने जुहिला इकाई की एक खदान में विस्फोट कराया जिस खदान में सैकड़ों मजदूर कार्यरत थे जहाँ मजदूर कार्यरत थे उससे लगे हुए 5 फुट गहरे 14 फुट चौड़े और 225 फुट लंबे खदानी गढ्ढे में पानी भरा था ।

जो कोयले की एक मोटी परत से रुका हुआ था, लेकिन अधिकारियों की असावधानी से विस्फोट से कोयले की इस मोटी परत में दरार पड़ गई और रुका हुआ सारा पानी खुदाई वाली खदान में भारी प्रवाह के साथ घुस पड़ा और कार्यरत मजदूरों में आतंक छा गया, किंतु वे धैर्य खोये बिना सामूहिक प्रयास से आसन्न संकट से जूझते हुए बाहर निकलने में सफल हो गए । महोदया, यह भी सूचना है कि हजारों श्रमिकों के जीवन पर छाये संकट दूर करने हेतु कोई अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा । उप-सभापति महोदया, जब कार्याधीन खदान की दूसरी ओर 5 फुट गहराई, 14 फुट चौड़ाई और 225 फुट लंबाई में पानी भरा हो तब पहली आवश्यकता थी कि इस रुके हुए पानी को बाहर निकालकर